रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

शिक्षक ही नहीं वरन् विद्यार्थी भी हैं पर्यावरण के एम्बेसडर–कुलपति प्रो. मिश्र
'पर्यावरण शिक्षा एवं आपदा प्रबंधन' पर रिफ्रेशर कोर्स का समापन

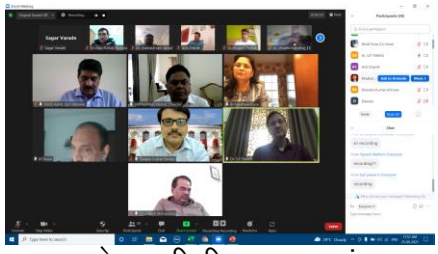

जबलपुर 25 सितम्बर। विश्वविद्यालय के यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा आज मान. कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, प्रो, एस.पी. तिवारी, कुलपति, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान वि.वि. के मुख्य आतिथ्य एवं पर्यावरणविद् प्रो. के.एस. तिवारी, भोपाल के विशिष्ट आतिथ्य, यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. कमलेश मिश्रा एवं उपनिदेशक डॉ. राजेश्वरी राणा एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. लोकेश श्रीवास्तव की उपस्थिति में 'पर्यावरण शिक्षा एवं आपदा प्रबंधन' विषय पर वर्चुअल माध्यम से रिफ्रेशर कोर्स का समापन किया गया।

अध्यक्षता करते हुए मान. कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि शिक्षक ही नहीं वरन् विद्यार्थी भी पर्यावरण के एम्बेसडर हैं। उन्होंने कार्यक्रम में भाग ले रहे प्रतिभागी गणों को अपनी शुभकामना देते हुए पर्यावरण के संदर्भ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस पर उनके विचार के माध्यम से पर्यावरण एवं शिक्षा के परमार्थ विचारधारा के महत्व को बताया अपने उद्बोधन के द्वारा उन्होंने पर्यावरण के तहत वृक्षों का उदाहरण देते हुए उसके निस्वार्थ भाव को पर्यावरण के परमार्थ की शिक्षा से से जोड़ते हुए बताया की दो प्रकार की प्रवृत्तियाँ होती है एक स्वार्थ की और दूसरा परमार्थ की स्वार्थ की प्रवृत्ति संग्रह करने की प्रवृत्ति होती है जबकि परमार्थ की प्रवृत्ति देने की होती है आज जीवन जो है चाहे पारिवारिक जीवन और चाहे सामाजिक व राष्ट्रीय जीवन–आज सबसे अधिक आवश्यकता विनयशीलता शालीनता और चरित्र के निर्माण की है। हमारे वैज्ञानिक हो चाहे हमारे शिक्षाविदों हो चाहे हमारे चिकित्सकों आज शिक्षा में जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति लेकर आई है जिसपर हम ज़ोर दे रहे हैं जिसमें हम सब लोग जाए आज उस उसको शिक्षा में डालने की जरूरत है। आज उसको हमारे बालक और बालिकाओं के अंतरण में प्रतिरोपित करके उसको विराट स्वरूप में लाने की आवश्यकता है और यह जब कार्य हम करेंगे ओर जो हम चाहते हैं कि इकीसवीं शताब्दी में भारत विश्व का नेतृत्व तो वह अवश्य संभव होगा। आज आंतरिक प्रदूषण को यह दूर करने का संकल्प लें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्म दिवस के अवसर प्रदूषण मुक्त समाज बनाने का संकल्प लें।

मुख्य अतिथि प्रो. एसपी तिवारी ने पर्यावरण विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पर्यावरण पर वैश्विक कानूनों एवं उसके संरक्षण हेतु मनाए जाने वाले विभिन्न दिवसों पर प्रकाश डाला

पर्यावरणविद् प्रो. के.एस. तिवारी द्वारा पर्यावरण के मानक 10 पॉइंट्स को अपने विचारों द्वारा व्यक्त किया गया।

सर्वप्रथम यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. कमलेश मिश्रा ने स्वागत उद्‌बोधन में बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में 08 राज्यों के 60 प्रतिभागियों की सहभागिता रही है।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. लोकेश श्रीवास्तव ने कोर्स के दौरान हुए व्याख्यानों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेश्वरी राणा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. संजीव पाण्डेय ने किया।

अंग्रेजी विभाग द्वारा 'दीक्षा आरम्भ' (इंडक्शन कार्यक्रम) का आयोजन

अंग्रेजी विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा आज दिनांक 25/09/2021 को अपराह्न 12 बजे एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2021, के विद्यार्थियों हेतु 'दीक्षा आरम्भ' (इंडक्शन कार्यक्रम) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया। आपने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए संयम, त्याग और मेहनत के लिए प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक मिश्र ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के पक्षों पर जानकारी देते हुए संबोधन किया। इस कार्यक्रम में विभाग के अतिथि विद्वानों डॉ. हरलीन कौर रूपराह, तूलिका नागेश एवं मौलश्री बावरिया द्वारा विद्यार्थियों को एम.ए. अंग्रेजी के पाठ्यक्रम की रूपरेखा, इसके रोजगार एवं महत्त्व से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बृजेश सिंह की उपस्थिति भी सरहनीय रही। कार्यक्रम में डॉ. सीमा सिंह एवं प्रमिला उईके का संपूर्ण सहयोग रहा।